

WESTERN COALFIELDS LIMITED



5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY



फिर एक बार...
कोयला
उत्पादन
लक्ष्य के
पार



प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

जनवरी - मार्च 2025

WCL's VISIONARY LEADERS



Shri Jai Prakash Dwivedi
CMD, WCL



Shri Anil Kumar Singh
DT(OP), WCL HQ



Shri Bikram Ghosh
Director (Finance), WCL HQ



Shri Anandji Prasad
DT(P&P), WCL HQ



Dr. Hemant Sharad Pande
Director (HR), WCL HQ



Shri Ajay Madhukar Mhetre
CVO, WCL HQ



अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का संदेश

अत्यंत हर्ष की बात है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) की त्रैमासिक पत्रिका 'प्रगति' का संस्करण नए कलेवर में प्रकाशित किया जा रहा है।

निरंतर सीखते रहना और अपने ज्ञान को सब के साथ साझा करना, वेकोलि की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। परिवर्तनशील समय में सफलता उसी को मिलती है, जिसकी कार्यशैली में सीखना और नवाचार निहित हो। वेकोलि में हमारा प्रयास रहता है कि हमारे कर्मियों स्वयं को अपडेटेड रखें, सीखते रहें और अपने ज्ञान को सबके साथ बांटते रहें। 'प्रगति' इसी सिद्धांत को चरितार्थ करता है।

इसमें वेकोलि की गतिविधियाँ, तकनीकी तथा गैर-तकनीकी लेख, कविताएँ, पुस्तक समीक्षा, प्रवास वर्णन आदि समाहित हैं। सुंदर एवं आकर्षक तस्वीरें प्रत्येक पृष्ठ को सजीव बनाती हैं। पत्रिका का मनमोहक डिज़ाइन - रंगों, चित्रों और शब्दों का एक खूबसूरत संगम है, जो पाठकों को सहजता से पत्रिका के साथ जोड़ता है। प्रगति एक प्रयास है - ज्ञान, नवाचार और अभिव्यक्ति को एक मंच देने का; विचारों, अनुभवों और प्रसंगों को साझा करने का; और पाठकों को प्रेरणा और नई दृष्टि प्रदान करने का।

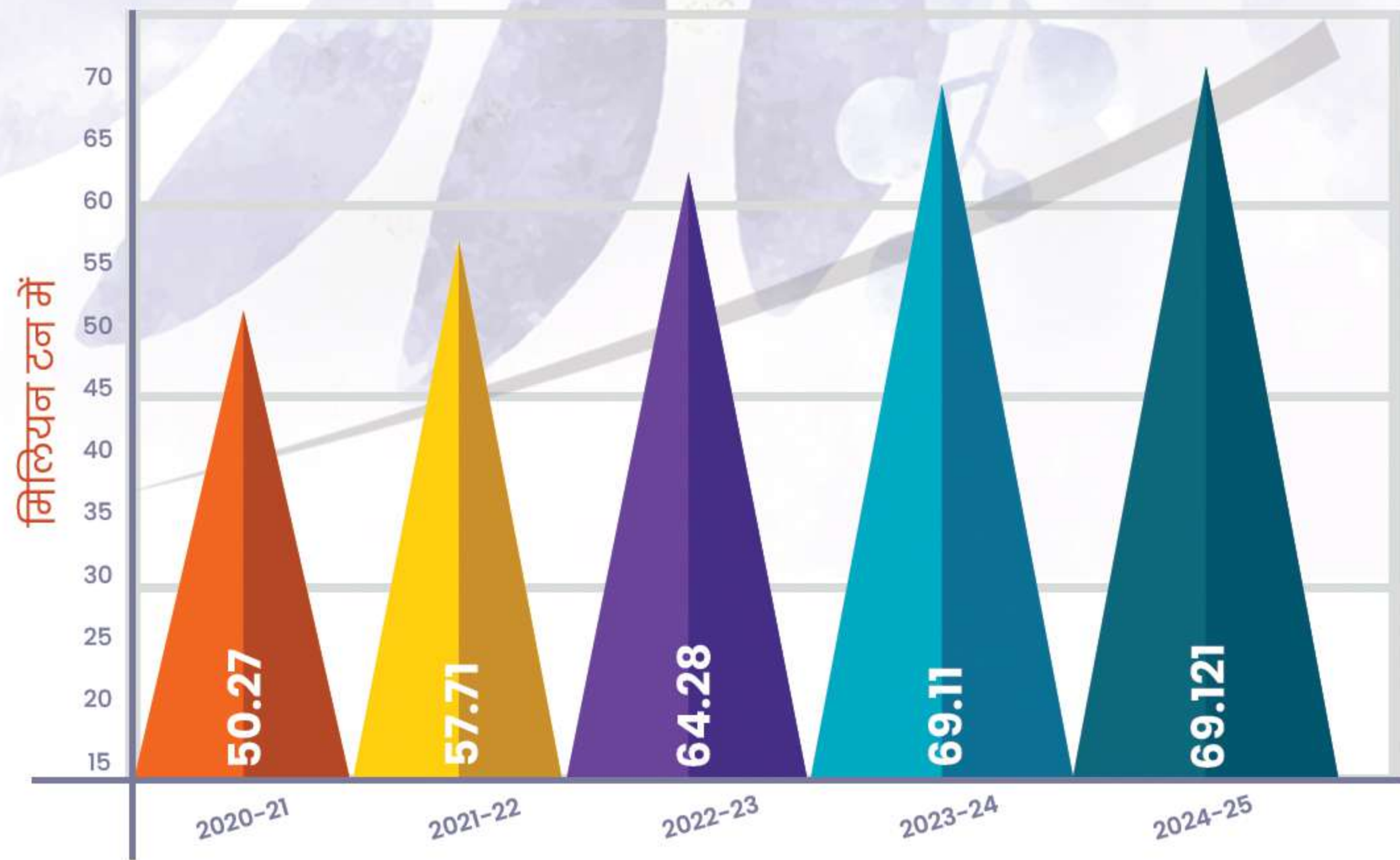
ज्ञान जितना बाँटा जाए, उतना ही बढ़ता है। अतः मेरा सभी से आग्रह है कि अपने अनुभवों और सीखी गई नई चीज़ों को 'प्रगति' के जरिए साझा करें - सब मिलकर एक साथ आगे बढ़ें।

मैं संपादकीय टीम को इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि "प्रगति" का यह नया संस्करण पाठकों को न केवल ज्ञानवर्धक सामग्री प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें विचारशीलता, सृजनात्मकता और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित करेगा।

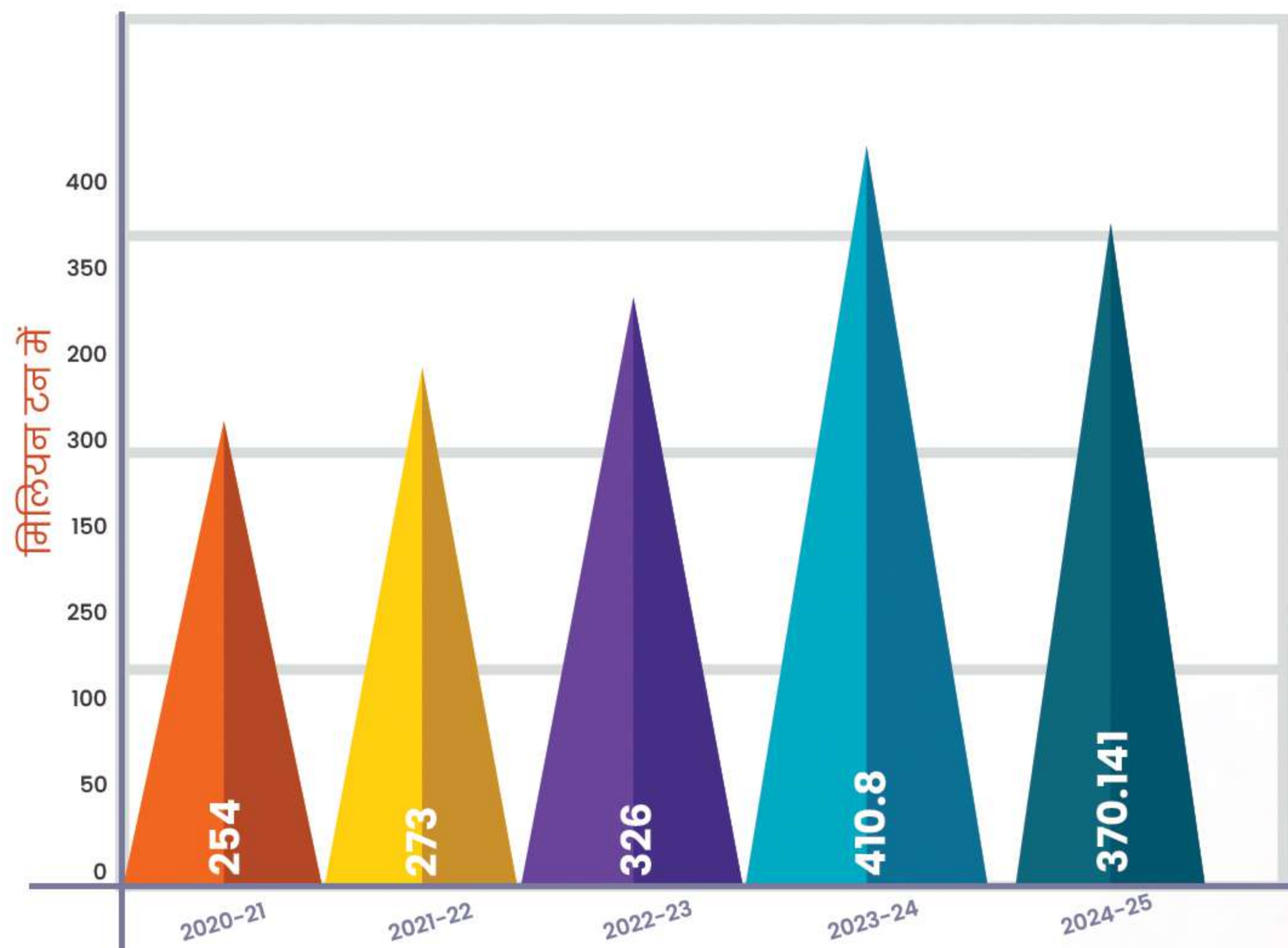
मेरी शुभकामनाएँ।

जय प्रकाश द्विवेदी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

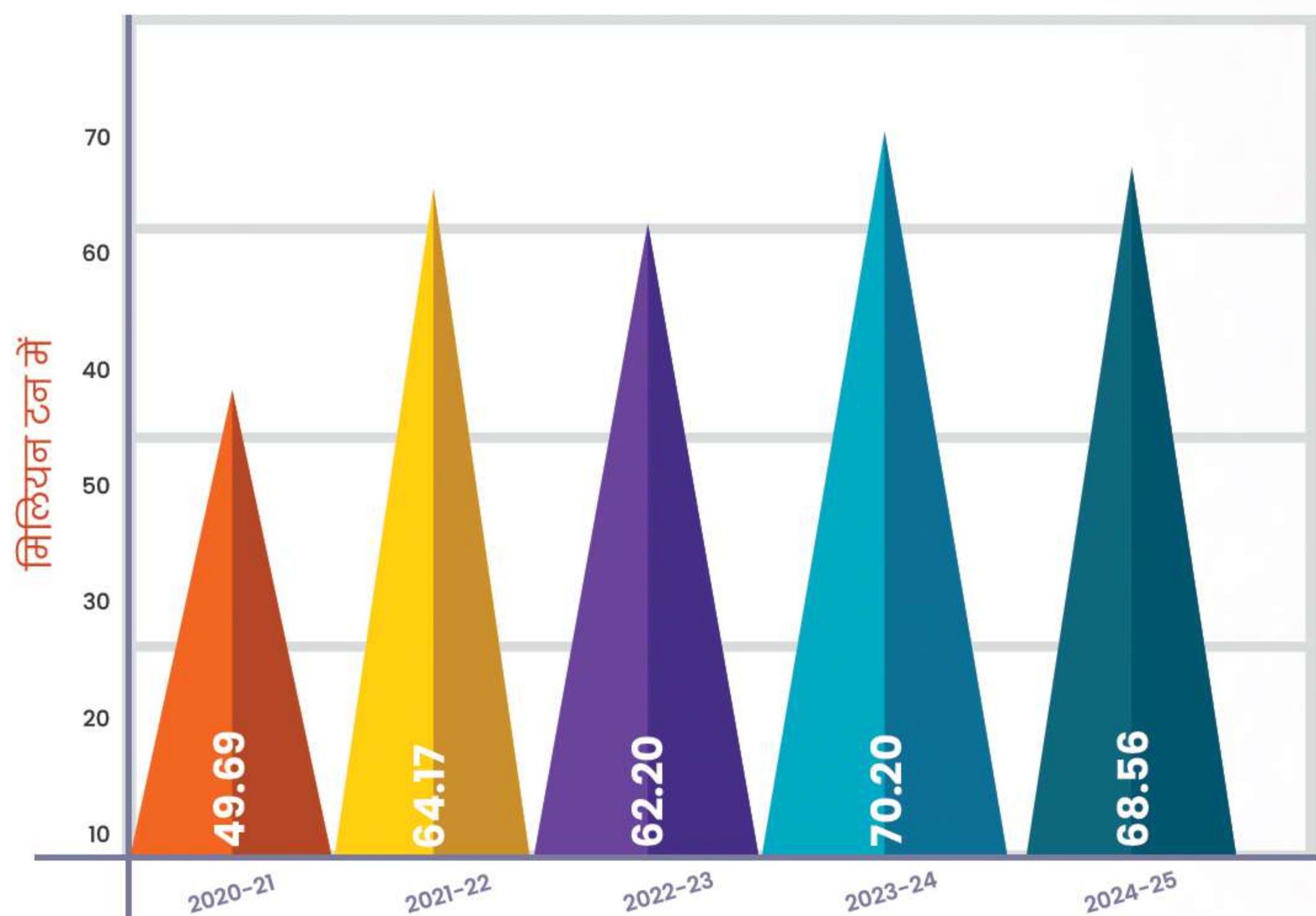
कोयला उत्पादन (वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक)



ओवरबर्डिन रिमूवल (वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक)



ऑफटेक (वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक)



प्रगति



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में 16 से 18 जनवरी, 2025 तक आयोजित कोल इंडिया अंतर कंपनी कबड्डी टूर्नामेंट 2024-25 में वेकोलि की शानदार जीत।



विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (WIPS) की 35वीं राष्ट्रीय बैठक में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को द्वितीय सर्वोत्कृष्ट उपक्रम पुरस्कार से नवाजा गया।



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में दिनांक 03 से 07 फरवरी, 2025 तक खेले गए "कोल इंडिया अंतर कंपनी क्रिकेट टूर्नामेंट 2024-25" में वेकोलि की टीम उप-विजेता रही।

पथ पर...



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी को पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) द्वारा "सीईओ ऑफ दि इयर" अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत सरकार के माननीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक द्वारा दिनांक 08 नवंबर 2024 को मैंगलोर में एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया।



माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी 13 फरवरी 2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रवास पर रहे - वेकोलि मुख्यालय में ली समीक्षा बैठक - कहा देश की कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का योगदान महत्वपूर्ण।



कोलकाता में आयोजित 'Mine Safety Award 2024' में वेकोलि की 4 खदानों को 'खान सुरक्षा अवार्ड' से नवाज़ा गया। माध्यम वर्ग की भूमिगत खदानों की श्रेणी में पाथाखेड़ा क्षेत्र की तवा-2 खदान को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। छोटी भूमिगत खदानों की श्रेणी में नागपुर क्षेत्र की सावनेर-2 को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माध्यम वर्ग की खुली खदानों की श्रेणी में नागपुर क्षेत्र की गोड़ेगांव खदान को तृतीय पुरस्कार तथा छोटी खुली खदानों की श्रेणी में वणी नॉर्थ क्षेत्र की घोंसा खुली खदान को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) ने कोल इंडिया लिमिटेड को 249.86 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश (Interim Dividend) प्रदान किया। दिनांक 13 नवंबर 2024 को कोलकाता में आयोजित बैठक के दौरान, वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जय प्रकाश द्विवेदी ने कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री पी. एम. प्रसाद को वित्तीय वर्ष 2024-25 के इस अंतरिम लाभांश का चेक प्रदान किया।



डब्ल्यूसीएल ने सीएसआर पहल के अंतर्गत, रीजनल मेंटल हॉस्पिटल में 68 लाख रुपए के वित्तीय सहयोग से उन्नत चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए हैं। 11 फरवरी, 2025 को, इन उपकरणों का उद्घाटन डब्ल्यूसीएल के निदेशक (कार्मिक) डॉ. एच. एस. पांडे द्वारा किया गया।



'स्वच्छता सर्वोपरि' के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है वेकोलि। दिनांक 17.09.2024 से 02.10.2024 तक भारत सरकार द्वारा चलाए गए 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024' में वेकोलि की वृहद सहभागिता रही है।



श्री आनंदजी प्रसाद निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) का वेकोलि में आत्मीय स्वागत

कोयला खनन में विशेष योग्यता के लिए प्रसिद्ध श्री आनंदजी प्रसाद ने दिनांक 21 जनवरी, 2025 को वेकोलि के निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) का पदभार संभाला।

इसके पूर्व श्री प्रसाद भारत सरकार के कोयला मंत्रालय में परियोजना सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। श्री आनंदजी प्रसाद को कोल माइनिंग उद्योग में 35 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। उन्होंने आई.आई.टी, खड़गपुर से वर्ष 1989 में खनन इंजीनियर में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसी वर्ष कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (CMPDI) के साथ एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू किया।

कोयला एवं धातु खदानों की योजना, डिज़ाइन के साथ-साथ कोयला खदान संचालन तथा प्रबंधन में विविध अनुभव वाले श्री प्रसाद की, कोल इंडिया एवं कोयला मंत्रालय के लिए कई नीतियों, रोडमैप, विजन दस्तावेजों के निर्माण में प्रमुख भूमिका रही हैं। श्री प्रसाद ने कोल इंडिया तथा कोयला क्षेत्र में कई अभिनव पहल किए हैं। इनमें कोल इंडिया की सात खुली खदानों में डिजिटल परिवर्तन, बंद खदानों को फिर से खोलना, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड में खनन प्रयोगशाला को एनएबीएल (NABL) मान्यता प्रदान कराना शामिल है। उन्हें प्रबंधन के साथ-साथ कंप्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्राप्त है तथा उन्होंने वर्ष 2010 में रांची विश्वविद्यालय से लॉ स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की है।



डॉ. हेमंत शरद पांडे, निदेशक (मा. सं.) का वेकोलि में आत्मीय स्वागत

डॉ. हेमंत शरद पांडे ने दिनांक 27.01.2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के निदेशक (मा. सं.) का पदभार ग्रहण किया।

डब्ल्यूसीएल के निदेशक (मा. सं.) का पद संभालने से पूर्व, डॉ. हेमंत शरद पांडे साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के रायगढ़ क्षेत्र में क्षेत्रीय महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। डॉ. हेमंत शरद पांडे नागपुर के विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (VNIT) से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक है। उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री और माइनिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें मैनेजमेंट विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (PhD) भी हासिल है। उन्होंने प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ करने की उद्देश्य से यूरोप के शीर्ष बिजनेस स्कूल 'ईएससीपी' में एडवांस्ड ग्लोबल टेक्नो मैनेजमेंट प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, बेल्जियम और नीदरलैंड जैसे देशों का दौरा भी किया है। उन्होंने टोरंटो, कनाडा में प्रॉस्पेक्टर्स एंड डेवेलपर्स एसोसिएशन (PDAC) की विभिन्न व्यापारिक बैठकों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया है।

डॉ. पांडे ने अपने करियर की शुरुआत अगस्त 1989 में डब्ल्यूसीएल में, जूनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में की। डब्ल्यूसीएल में 19 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं में अपनी सेवाएं दीं। इस अवधि में उन्होंने खनन प्रौद्योगिकी, भूमि अधिग्रहण और औद्योगिक संबंधों के कार्यों को संभालने में विशेषज्ञता हासिल की।

सितंबर 2008 से वे साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में कार्यरत रहे, जहाँ उन्होंने चिरमिरी, हसदेव, गेवरा, जोहिला और रायगढ़ क्षेत्र में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं। गेवरा क्षेत्र में महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) के रूप में उन्होंने इन-पिट क्रशिंग सिस्टम में साइलो के द्वारा डिस्पैच तथा प्रणाली में पारदर्शिता व दक्षता बढ़ाने के लिए आईटी पहलों के क्रियान्वयन जैसे उल्लेखनीय कार्य किए। रायगढ़ क्षेत्र में उन्होंने पर्यावरण अनुकूल कोयला डिस्पैच के लिए 6 मिलियन टन प्रति वर्ष और 10 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता के दो साइलो तथा दो (02) व्हाफ वॉल साइडिंग शुरू किए। जोहिला क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों में सौर ऊर्जा इकाई की स्थापना और जरूरतमंदों के लिए विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का क्रियान्वयन शामिल है। वर्ष 2022 में उन्हें कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 'सर्वोत्कृष्ट महाप्रबंधक' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

डॉ. हेमंत शरद पांडे को कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में 35 वर्षों का दीर्घ अनुभव प्राप्त है। उनके अनुभव का डब्ल्यूसीएल को निश्चित ही लाभ मिलेगा।

PATRON

Shri. J. P. Dwivedi

CMD, WCL

Shri Anil Kumar Singh,

Director (Technical) Operations

Shri Bikram Ghosh

Director (Finance)

Shri Anandji Prasad

Director (Technical) P&P

Shri Hemant Sharad Pande

Director (HR)

Shri Ajay Madhukar Mhetre

Chief Vigilance Officer

UNDER THE GUIDANCE OF

Shri. P Narendra Kumar

General Manager (HR/Public Relations)

EDITORIAL BOARD

Shri. Milind Chahande

Manager (PR) - Editor

Smt. Anupama Temurnikar

Chief Manager (HR)

Shri. Vivek Singh

Sr. Manager (HR/IR)

Shri. Giri Bahadur Thapa

Manager (HR/Admin)

Shri. Anuj Mathur

Manager (BD)

Shri. Mimoh Kothiya

Manager (Forest)

Shri. Shekhar Rayaprolu

Manager (CD)

Ms. Chamarthi Ojaswini

Deputy Manager (Env't)

Shri. Ram D. Jetli

Deputy Manager (PR)

Shri. Hemant Podila

Asst. Manager (IED)

Ms. Paridhi Varma

Assistant Manager (HR)

DESIGNING

Ms. Pallavi Girish Patil

General Assistant (Administration)

I N D E X

Sustainable Practice and Ecological Restoration through Bamboo Plantation

By Anuj Mathur, Manager (BD)

01

Driving Coal Production with Sustainable Solutions

By Chamarthi Ojaswini, Deputy Manager (Environment)

04

"COAL SHAcTE DAL" का गठन

By Lt. Cdr. Dr. Vikrant Malhan, CSO

07

WCL's Transformative CSR Initiatives: Empowering Communities, Enhancing Lives

By Shekhar Rayaprolu, Manager (CD)

08

माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रवास पर

12

Training: A Pathway to a Future-Ready Workforce

By Paridhi Varma, Assistant Manager (HR)

14

कविताएँ एवं कहानी

16 - 19

A Tropical Paradise journey:

A Week Along the Coast of Uttara

Kannada and Goa By Chamarthi Ojaswini Deputy Manager (Environment)

20

Are You Ready To Do So - Book Review

By Giri Bahadur Thapa Manager (HR/Admin)

23

The evolution of technology fails to

touch Emotions By Gaurav Patel, Manager (HR/Admin)

26

New Income Tax Bill 2025: A Simplified Regime for a New Era

By Paridhi Varma, Assistant Manager (HR)

28

SUSTAINABLE PRACTICE AND ECOLOGICAL RESTORATION THROUGH BAMBOO PLANTATION



Anuj Mathur
Manager (BD)

A COLLABORATIVE INITIATIVE BY WESTERN COALFIELDS LIMITED (WCL) AND MAHARASHTRA BAMBOO DEVELOPMENT BOARD (MBDB), NAGPUR

Executive Summary

In collaboration with the Maharashtra Bamboo Development Board (MBDB), WCL has launched a bamboo plantation project on 30.635 hectares of unutilized land at the Makardhokra-III Open Cast (OC) Mine in Umrer Area. This initiative aims to promote environmental sustainability, socio-economic development, and revenue generation while addressing ecological challenges such as soil erosion, air pollution, and carbon sequestration. The project, governed by a 15-year Memorandum of Understanding (MoU) executed on 5th August 2024, involves WCL providing initial capital investment and MBDB managing cultivation, maintenance, and marketing.

Introduction

The National Bamboo Mission (NBM) emphasizes developing the bamboo value chain, linking growers to consumers, and promoting micro, small, and medium enterprises (MSMEs). WCL's bamboo plantation initiative aligns with these objectives while fulfilling its environmental compliance obligations. Recognizing its lack of expertise in bamboo cultivation and marketing, WCL partnered with MBDB, which has extensive experience in bamboo plantation and cultivation.

Project Details

Location

The project site comprises 30.635 hectares of unutilized non-coal bearing land adjacent to the conveyor belt of the First Mile Connectivity (FMC) Project and Coal Handling Plant (CHP) of Makardhokra-III OC Mine, Umrer Area.

Species Selection

MBDB will cultivate commercially viable bamboo species suitable for the local climate and soil conditions. Approximately 19,000 bamboo plants of the following species will be planted:

S.No.	Name of Species	No.s	Uses
01	Bambusa balcooa (Bhaluka Bamboo)	5000	Known for its high biomass production
02	Dendrocalamus strictus (Solid Bamboo)	5000	Suitable for dry and degraded soils
03	Bambusa tulda (Indian Timber Bamboo)	5000	Ideal for soil stabilization and commercial use
04	Bambusa nutans (Nodding Bamboo)	3000	Construction purposes due to its strong, straight culms, serving as poles for building structures, and is also a major source of fibre for the paper industry
05	Bambusa bambos (Indian thorny Bamboo)	1000	It has many uses including construction, medicine, and food.
Total		19000	

Market Potential

Bamboo has diverse applications, including:

- **Construction:** Scaffolding, flooring, and roofing.
- **Furniture:** Lightweight, durable, and eco-friendly.
- **Textiles:** Soft, breathable, and antibacterial fabrics.
- **Paper and Pulp:** Sustainable raw material for paper production.
- **Handicrafts:** High demand in domestic and export markets.
- **Renewable Energy:** Biofuel source.
- **Food Products:** Nutritious bamboo shoots.

Project Tenure

- **Duration:** 15 years (extendable on mutual agreement).
- **Plantation and Development Period:** 2024–2029 (5 years).
- **Harvesting Period:** 2029–2039 (10 years).
- **Expected Life of the Project:** 40 years and more.

Roles and Responsibilities

- **WCL:** Provide initial capital investment, release stage-wise payments, and bear operational revenue expenditures.
- **MBDB:** Cultivate bamboo, manage land development, irrigation, maintenance, harvesting, and marketing. MBDB will also employ local PAPs and ensure transparent sales through auctions/tenders.

Financial Arrangements

- **Capital Expenditure:** Rs. 3.01 crores (plantation, drip irrigation, fencing, and maintenance).
- **Revenue Expenditure:** Rs. 7.65 lakhs/year (harvesting and maintenance from the 4th year onward).
- **Revenue Sharing:** WCL retains 85% of the net profit, while MBDB receives 15% as a facilitation charge.

Revenue Projections

- **Harvesting:** 1,000 clumps/hectare/year (30,635 clumps/year initially, increasing to 1,22,540 clumps/year from the 6th year).
- **Sale Price:** Rs. 80 per clump.
- **Total Revenue:** Rs. 17.13 crores over 15 years.
- **Net Profit:** Rs. 10.90 crores (WCL's share will be 85% of net proceeds).

Payback Period

The project will break even by the 8th year and generate cumulative profits of Rs. 10.90 crores by the 15th year. Over its 40-year lifespan, WCL is expected to earn approximately Rs. 100 crores.

Environmental and Social Benefits

1. Soil Conservation:

Bamboo's extensive root system prevents soil erosion and improves soil fertility.

2. Air Quality Improvement

Bamboo acts as a natural sink for air pollutants, reducing dust and pollution.

3. Carbon Sequestration:

Bamboo absorbs significant amounts of CO₂, mitigating climate change impacts.

4. Employment Generation:

Local communities, especially PAPs, will benefit from job opportunities in cultivation, maintenance, and harvesting.

5. Aesthetic Enhancement:

Bamboo plantations will improve the visual appeal of mining areas.

6. Noise and Wind Barriers: Bamboo acts as a natural barrier, reducing noise pollution and moderating wind effects.



Future Planning

WCL plans to expand bamboo plantation across its mining areas, integrating it with other eco-restoration initiatives and mine closure activities. The company aims to collaborate with research institutions to develop high-yielding bamboo varieties and explore innovative uses of bamboo in construction and energy production.

Conclusion

The bamboo plantation initiative by WCL and MBDB represents a sustainable approach to environmental management in the mining sector. By restoring degraded lands, sequestering carbon, and creating socio-economic opportunities, this project aligns with WCL's vision of sustainable development. With proper planning and execution, bamboo plantation can serve as a model for other mining companies seeking to balance industrial growth with environmental conservation.





Shobhit Aggarwal
Manager (Environment)

DRIVING COAL PRODUCTION WITH SUSTAINABLE SOLUTIONS



Chamarthi Ojaswini
DY Manager (Environment)

With an unwavering commitment to meeting the nation's energy demands and driving economic growth, WCL is dedicated to balancing energy production with environmental responsibility through sustainable practices. **Sustainable mining** encompasses practices that harmonize the need for mineral extraction with environmental stewardship and social responsibility.

Sustainable practices implemented at the Amalgamated Yekona I & II OC mine, located within the operational jurisdiction of the Majri area, have led to the successful enhancement of the Environmental Clearance (EC) for coal production in FY 2024-25, enabling the continued and efficient progression of production with a focus on environmental responsibility.

The EC was secured on 20th Feb 2025 in accordance with the fulfilment of conditions specified in MoEF&CC O.M. dated 11.04.2022. The OM specifies the guidelines for granting EC under para 7(ii)(a) of the EIA Notification, 2006, for expansion up to 50% (in three phases) within the existing premises/mine lease area, without requiring additional land acquisition.

The various measures adopted towards sustainable mining, with emphasis on reduction of pollution levels by targeting dust generation at the source, are highlighted here.

Implementation of Eco-Friendly Surface Miner for coal excavation:

The eco-friendly surface miner was deployed to harness its ability to reduce environmental impact at the source by replacing traditional methods such as blasting. It efficiently extracts coal with

minimal waste, even from low-gradient coal seams, and eliminates the need for secondary processes like crushing by extracting material at the desired size (-100mm). Additionally, it enhances safety by reducing the need for manual labour in hazardous conditions.

Sustainable Coal Transportation and Dust Suppression Measures

A dedicated coal transportation road has been established. Major coal is transported to thermal power plants located 2 km from the mine boundary. Within the mine area, approximately 4 km of concrete roads have been constructed, along with 2.3 km of concrete roads outside the mine area, ensuring efficient coal transportation. The concrete roads help control fugitive dust from truck movement, reduce diesel consumption, and maintain trucks in good condition. This, in turn, lowers specific diesel consumption and helps control vehicular emissions. EV Tippers for OB transportation are also being deployed in this project.

Additionally, plans for an upcoming railway siding are underway to further reduce the impact of road transportation. This initiative will help reduce traffic, cut down on emissions, and improve the efficiency of coal transportation, making it a more sustainable solution. The construction of the railway siding is being carried out by IPRCL as per the Memorandum of Understanding (MoU) signed on 7th May 2022, with an award value of Rs. 80.74 crores. Land acquisition is being facilitated through the PM Gati Shakti Scheme's cargo terminal initiative. Currently, physical possession of land, track laying, and wharf wall construction are in progress. Overall, 40% of the work has been completed, and efforts are underway to finish the project by March 2026, as committed to MoEF&CC.

Dust suppression equipment was installed at key dust-generating sources, including the core coal production area, haul roads for transportation, coal storage at stockyards, road junctions, weighbridges, and other relevant locations. Mine water after proper treatment through sedimentation tank is used for all dust suppression activities, ensuring the efficient and sustainable management of available resources. Additionally, an Effluent Treatment Plant (100 KLD) is in place to treat wastewater from the workshop. The treated clear water is then directed into a closed water circuit and recycled for reuse.

Fixed sprinklers at the coal stockyard have a throw range of approximately 30 meters, while those on roads have a throw range of 10 meters. **Mobile tankers** with pressure pumps are deployed on roads to cover the full width of 8 to 10 meters in a single pass. At the project site, 8 mobile water tankers of varying capacities and 36 fixed sprinklers are deployed. One vacuum-based **road sweeping machine** is deployed to remove dust from roads caused by truck and tipper movement. Equipped with three or more mechanical brooms, it lifts dust into the air, and the vacuum suction collects it, helping control fugitive dust emissions from coal transportation.

5 nos **mist cannons** are deployed at the coal stockyard and transportation roads. These equipments convert water into fine droplets of around 50 microns. The mist settles fugitive dust quickly and prevents it from becoming airborne. Each cannon has about 84 nozzles, offering higher efficiency and reducing water consumption compared to conventional sprinklers. Additionally, five more mist cannons are under procurement.



Before trucks and tippers leave the mine premises:

- A **wheel washing system** is deployed to remove coal dust accumulated on the wheels, helping control fugitive dust both within the mine lease area and on public roads.
- Trucks are covered **with tarpaulins** to prevent coal dust from being released during transportation.

Land Reclamation - is a vital part of responsible coal mining practices, ensuring that the land is returned to a productive use for future generation. In alignment with the approved National Forest Policy of 2018, which mandates that at least one-third of the total land area should be covered by forests and trees, we are committed to undertaking both during mining and post-mining plantation efforts. Tree plantation on plain land is being carried out with a density of up to 2,500 saplings/ha, and on dumps, the density is up to 3,500 saplings/ha.

Currently, 1.54 lakh saplings have been planted since 2021, along the north-western boundary of the mine, near the current active quarry, between Yekona Village for the safety of the villagers, coal transportation route and at various locations such as the embankment along the Wardha River and the black cotton soil dump.

The plantation is being carried out by the State Forest Department, including FDCM and MPRVVN Chhindwara, under a 5-year agreement with 4 years of maintenance. It is ensured that at least 80% of saplings survive and reach a minimum height of 2.5 meters. Stylo Hamata grass seeding is carried out on active OB and topsoil dumps, covering an area of 40 ha. This grass binds the soil, preventing erosion, stabilizing dumps, and reducing airborne dust. It is self-generating, enhancing green cover and improving the mine's aesthetics.

Ecological Environment:

A Wildlife Conservation Plan has been approved by the Principal Chief Conservator of Forests with an allocation of Rs. 882.00 lakhs to protect critical habitats and Scheduled species, as per the Wildlife Protection Act. Wildlife plays a vital role in sustaining essential ecosystem services such as pollination, seed dispersal, and soil fertilization. By safeguarding these species and their habitats, we ensure the continued health and functioning of these services, benefiting both local communities and the broader ecosystem.

Consultation with Communities:

In compliance with the OM of MoEF&CC dated 01.05.2018 and 30.09.2020, which outline the guidelines for Corporate Environmental Responsibility (CER), an expenditure has been allocated to fulfill public requirements. These include the creation of infrastructure for drinking water supply, sanitation, healthcare, education, skill development, roads, cross drains, electrification (including solar power), rainwater harvesting, soil moisture conservation works, avenue plantation, and plantation in community areas, among other initiatives.

Conclusion:

WCL's sustainable coal production approach balances energy demands, economic growth, and environmental stewardship. By adopting eco-friendly technologies like surface miners, dust suppression systems, and sustainable transportation, WCL minimizes its environmental impact while ensuring efficient operations. This holistic approach positions WCL as a leader in sustainable mining, fostering economic progress alongside environmental and social well-being.





ले.क.विक्रान्त मलहण
मुख्य सुरक्षा अधिकारी

"COAL SHAcTE DAL" का गठन



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकार क्षेत्र के तहत महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश स्थित कोयला खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, माननीय कोयला मंत्री, भारत सरकार श्री जी किशन रेड्डी के करकमलों से नागपुर में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय परिसर में "COAL SHAcTE DAL" का उद्घाटन किया गया।

COAL SHAcTE DAL का अर्थ:

S-सिक्योरिटी **H**-हैंडलर्स **AC**-एक्शन फॉर **T**-टैक्टिकल **I**-इं-एनफोर्समेंट है। टास्क फोर्स को WCL की कोयला खदानों के भीतर अप्रिय गतिविधियों पर तुरंत कार्यवाही करने हेतु गठित किया गया है।

एक समर्पित टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर (1800-233-5506) के माध्यम से, COAL SHAcTE DAL की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (QRT) किसी भी लॉ अंड ऑर्डर की स्थिति से निपटने के लिए सक्षम है। यह टास्क फोर्स सशस्त्र और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों के साथ किसी भी कोयला खदान पर 7-10 मिनट के भीतर पहुंच कर खतरे को तुरंत बेअसर कर सकती है।

टास्क फोर्स को खोज अभियान चलाने और एक परिभाषित SOP के माध्यम से कोयला खदानों के भीतर घुसपैठियों को रोकने के लिए बनाया गया है। टीम को "किसी भी समय-किसी भी ऑपरेशन" के लिए तैयार रखने के उद्देश्य से नियमित मॉक ड्रिल एवं विभिन्न ऑपरेशनों की नियमित रूप से निगरानी सुरक्षा विभाग के समन्वय से संपन्न की जाती है।



WCL'S TRANSFORMATIVE CSR INITIATIVES: EMPOWERING COMMUNITIES, ENHANCING LIVES



Shekhar Rayaprolu
Manager (CD)

Western Coalfields Limited (WCL) has reaffirmed its commitment to corporate social responsibility (CSR) by launching multiple impactful initiatives over the past two months. These projects span diverse sectors, including women's empowerment, healthcare, education, and sustainable energy, benefiting various communities across Nagpur and beyond. Here's a look at WCL's latest CSR efforts:

Strengthening Mental Health Services: Support for Regional Mental Hospital

WCL extended its CSR outreach to the Regional Mental Hospital, Nagpur, a 120-year-old government institute serving patients from multiple states. On February 11, 2025, WCL provided financial aid for the procurement of advanced medical equipment, including an rTMS (Repetitive Transcranial Magnetic Stimulation) Machine. This technology enables non-invasive treatment for brain disorders, enhancing patient care and securing additional government funding under the Mahatma Jyotiba Phule Jan Arogya Yojana. The initiative was inaugurated by Dr. H.S. Pande in the presence of Sri Satish Humane, Medical Superintendent, and Sri A.K. Singh, GM (CSR), WCL.



Sustainable Energy for Anandwan: Solar Power Initiative



On February 9, 2025, Hon'ble Chief Minister of Maharashtra, Sri Devendra Fadnavis, inaugurated WCL's CSR project at Maharogi Sewa Samiti, Anandwan, Warora, commemorating its 75 years of humanitarian service. WCL funded the installation of a 95 kWp solar power system, contributing to Anandwan's vision of becoming a net-zero energy community. This initiative will significantly reduce operational costs and allow more resources to be directed toward developmental programs. The event was attended by Shri Vikas Amte, Shri Prakash Amte, and top WCL officials.

'Nanha Sa Dil': Providing Life-Saving Pediatric Heart Surgeries

On February 15, 2025, WCL celebrated World Congenital Heart Defect Awareness Day by launching its CSR initiative, "Nanha Sa Dil," in partnership with Swami Vivekananda Medical Mission Hospital, Nagpur. This program supports 100 underprivileged children suffering from congenital heart defects by providing life-saving surgeries. Dr. H.S. Pande and Sri A.K. Singh, GM (CSR), WCL, visited the hospital to interact with beneficiaries and their families, reinforcing WCL's dedication to improving pediatric healthcare.



Empowering Women Entrepreneurs: Inauguration of Stitching Cluster

On the eve of Women's Day, March 7, 2025, WCL inaugurated a Stitching Cluster in collaboration with Aroha Multipurpose Society and Nagpur Municipal Corporation (NMC). This initiative aims to train and support women from self-help groups (SHGs) under the National Urban Livelihood Mission (NULM). Over the next three years, beneficiaries will receive skill enhancement training, business mentoring, and market linkages to help them establish micro-enterprises. The event was graced by Dr. H.S. Pande, Director (Personnel), WCL, alongside dignitaries from Aroha Society and NMC.



Expanding Telemedicine Access at Gorewada UPHC

On January 31, 2025, WCL inaugurated a Telemedicine Center for Specialist Care at Gorewada Urban Primary Health Center (UPHC) in partnership with DigiSwasthya Foundation and NMC. This initiative strengthens healthcare services for early diagnosis and treatment of non-communicable diseases (NCDs), reducing costs for underprivileged communities. The launch was attended by Dr. Abhijeet Choudary (IAS), Commissioner, NMC, and other key stakeholders, showcasing WCL's commitment to accessible healthcare.



सीएसआर परियोजना

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, नागपुर में
टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ देखभाल



परियोजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

विशेषज्ञ डॉक्टरों से टेली-कंसल्टेशन

- हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट), स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनेकोलॉजिस्ट), स्नायु रोग विशेषज्ञ (न्यूरोलॉजिस्ट), कैंसर विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट), शिशु रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क टेली-कंसल्टेशन की सुविधा मिलेगी।
- सप्ताह के कार्य दिवसों में निर्धारित दिनों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श उपलब्ध होगा।

इलाज और रेफरल सहायता

- जरूरतमंद मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत उचित इलाज के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा।
- सरकारी योजनाओं और सरकारी अस्पतालों के माध्यम से कम लागत में तृतीयक (विशेषज्ञ) इलाज एवं फॉलो-अप देखभाल की सुविधा प्रदान की जाएगी।

बीमारी की पहचान और रोकथाम के लिए जागरूकता

- विभिन्न बीमारियों के शुरुआती लक्षणों और लक्षणों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी ताकि लोग समय पर इलाज करा सकें।
- लोगों को रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

स्वस्थ जीवनशैली और परामर्श सेवा

- संतुलित आहार, व्यायाम और तनाव प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।
- मरीजों को व्यवहार परिवर्तन और बीमारी प्रबंधन के लिए परामर्श प्रदान किया जाएगा।



DigiSwasthya's Doctors List for Telemedicine Project at UPHCs, NMC, Nagpur

Sr. No.	Speciality	Day	Timing
1	Gynecologist, Pediatrician	Monday	09:00am- 2:00pm
2	Oncologist, Neurologist	Tuesday	09:00am- 2:00pm
3	Orthopaedics	Wednesday	09:00am- 2:00pm
4	Dermatologist, ENT, Dentist	Thursday	09:00am- 2:00pm
5	Gastroenterology, Cardiologist, Ophthalmologist, Nephrologist	Friday	09:00am- 2:00pm
6	Physiotherapist, Psychiatrist, Dietitian, General Medicine	Saturday	09:00am- 2:00pm

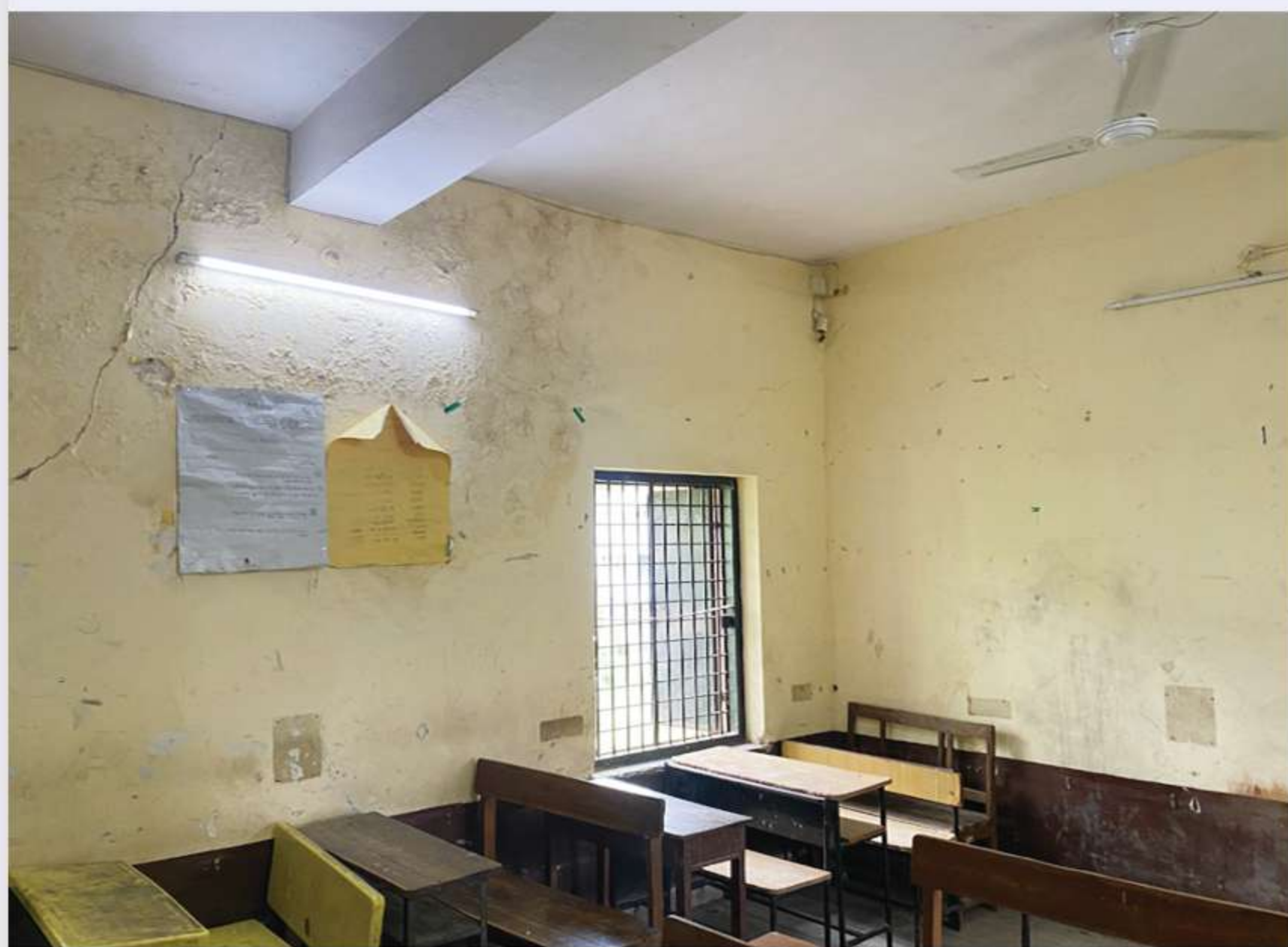
'Happy School' Project: Enhancing Government Schools

As part of Coal India Limited's Golden Jubilee celebrations, WCL launched the "Happy School" project at Dr. Ram Manohar Lohia NMC School on January 22, 2025. Executed by the Dr. Shrikanth Jichkar Foundation, the initiative utilizes the Building as Learning Aid (BaLA) concept to redesign five NMC government schools, directly benefiting over 1,055 students. The event, attended by distinguished guests such as Smt. Aanchal Goel, IAS, and Sri Bikram Ghosh, Director (Personnel)/Director (Finance), WCL, also recognized top-performing students and featured a CSR documentary showcasing WCL's contributions to community welfare.

Before



After



Conclusion

These CSR initiatives underscore WCL's unwavering dedication to community development. By empowering women entrepreneurs, improving healthcare access, modernizing education, and promoting sustainability, WCL continues to create lasting, positive change in society. As these projects take shape, WCL remains committed to building a brighter, more inclusive future for all.

माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रवास पर रहे – वेकोलि मुख्यालय में ली समीक्षा बैठक

देश की कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का योगदान महत्वपूर्ण

- श्री जी. किशन रेड्डी



माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी दिनांक 13 फरवरी 2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के नागपुर स्थित वेकोलि मुख्यालय पहुंचे। वेकोलि के शीर्ष प्रबंधन से चर्चा के उपरान्त उन्होंने वेकोलि की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने वेकोलि के उत्पादन, उत्पादकता, कोयला प्रेषण, सीएसआर गतिविधियां आदि का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से वेकोलि में खनन कार्य की स्थिति एवं जुड़े मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान माननीय कोयला एवं खान मंत्री, वेकोलि के सीएमडी तथा अतिथियों ने वेकोलि की प्रगति पर केन्द्रित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

अपने संबोधन में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के सपने में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने वेकोलि को नई तकनीकी अपनाने, वर्तमान प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग करने आदि विषयों पर बल दिया।

समीक्षा बैठक में कोल गैसीफिकेशन, कोयले की गुणवत्ता, कोयला समाप्ति के पश्चात खदानों को प्रावधानों के अनुरूप बंद करने की प्रक्रिया, धुले कोयले का प्रेषण, सीएसआर गतिविधियां आदि विषयों पर चर्चा हुई। माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश को कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से वर्तमान खनन कार्य को सुदृढ़ बनाना एवं नए प्रोजेक्ट शुरू करना आवश्यक है। इस दिशा में उन्होंने कोयला मंत्रालय की ओर से मदद का आश्वासन दिया।

वेकोलि की समीक्षा के पूर्व माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने पौधा रोपण किया। बैठक में माननीय कोयला मंत्री के निजी सचिव श्री बक्की कार्तिकेयन, IAS, कोयला मंत्रालय के निदेशक श्री अजितेश कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री ए. के. सिंह, निदेशक (वित्त) श्री बिक्रम घोष, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री आनंदजी प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) डॉ. हेमंत शरद पांडे, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय मधुकर म्हेत्रे, मुख्यालय तथा क्षेत्रों के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष गण उपस्थित रहे।



वेकोलि ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 76 वां गणतंत्र दिवस

वेकोलि में 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कंपनी के इंदोरा परिसर स्थित मैदान में आयोजित समारोह में वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सुरक्षा परेड का निरीक्षण किया। आगे, उन्होंने टीम वेकोलि को संबोधित किया एवं उत्कृष्ट सुरक्षा कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह में वेकोलि के निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री ए. के. सिंह, निदेशक (वित्त/कार्मिक) श्री बिक्रम घोष, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री आनंदजी प्रसाद, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय मधुकर म्हेत्रे, झंकार महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती आभा द्विवेदी, उपाध्यक्ष श्रीमती इंदु सिंह एवं डॉ. सोनाली म्हेत्रे विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संचालन समिति एवं कल्याण मंडल के सदस्य, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मिण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह में कंपनी के सभी क्षेत्रों ने भव्य और आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कर सब का मन मोह लिया। माजरी क्षेत्र की झांकी को प्रथम, नागपुर क्षेत्र की झांकी को द्वितीय तथा पेंच एवं कन्हान क्षेत्र की संयुक्त झांकी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जय प्रकाश द्विवेदी "Outstanding CEO Of The Year" अवार्ड से सम्मानित



इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट (IIMM), नागपुर शाखा द्वारा आयोजित सेंट्रल रीजनल कांफ्रेंस - 2024 में वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जय प्रकाश द्विवेदी को "Outstanding CEO Of The Year" अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान दिनांक 21 दिसंबर 2024 को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के कर-कमलों से प्रदान किया गया।

श्री जय प्रकाश द्विवेदी को यह सम्मान उनके कुशल एवं दूरदर्शी नेत्रत्व तथा उनके कार्यकाल में वेकोलि ने कोयला क्षेत्र में किए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया। इस दौरान टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी लि. के प्रबंध निदेशक श्री संदीप सिंह, IMT, नागपुर के वरिष्ठ डीन डॉ. राजेंद्र पटनायक, IIMM के अध्यक्ष डॉ. वाई. वेंकट रमना तथा अन्य विशिष्ट अतिथि गण प्रमुखता से उपस्थित रहे।

वेकोलि की कुछ झलकियाँ...





TRAINING: A PATHWAY TO A FUTURE-READY WORKFORCE



Paridhi Varma
Assistant Manager (HR)



In the ever-evolving landscape of the mining industry, the upgradation of skill sets is indispensable. Western Coalfield Limited (WCL) is pioneering the creation of a resilient and future-ready workforce. The Human Resource Development (HRD) department has set a benchmark by identifying market needs, onboarding subject experts, designing comprehensive training modules, and delivering impactful training programs.

The Training and Development department at WCL strives to provide top-notch training, maintaining and updating standards to meet the demands of a technologically advanced and sustainable mining industry. By incorporating subjects like Environmental, Social, and Governance (ESG), WCL has sensitized executives and promoted awareness around critical issues. Sessions on sustainable development goals and diversification of the coal sector have also proven to be impactful, fostering a culture of responsibility and innovation.

Embracing Digitalization

Digitalization plays a vital role in the journey from mines to office administration. To keep pace with the world's rapid adoption of artificial intelligence, WCL's Training department has introduced subjects such as data analytics, decision-making, basics of artificial intelligence, and cybersecurity. These initiatives not only equip employees with essential skills but also prepare them to navigate the complexities of a digital workplace.

Investing in a Secure and Digital Workplace

"Training is the seed we plant today, and with constant efforts, it bears the sweetest fruits." WCL's commitment to creating a future-ready workforce is evident in its comprehensive training programs. As the mining industry continues to evolve, WCL's emphasis on training and development ensures its workforce remains adaptable, resilient, and equipped to meet the challenges of tomorrow.



Achievements of the HRD Department in 2024-25

The numbers from the last financial year tell a compelling story of success:

During the period from April 2024 to February 2025, WCL's HRD department conducted various training programs in collaboration with renowned institutes. The details of these programs are:

MDI, Nagpur: 2214 participants, 5196 mandays

WTI, Wardha: 414 participants, 516 mandays

STI, Chhindwara: 130 participants, 130 mandays

HEMM TI, Durgapur: 1483 participants, 3093 mandays

SDC, Indore: 1403 participants, 13093 mandays

Areas based training (at VTCs): 7085 participants, 9988 mandays

Safety training (at VTCs):

- Initial Training: 7085 participants, 9988 mandays

- Refresher Training: 1258 participants, 3563 mandays

Training for Special Category (under VT Rules 12 to 17): 1186 participants, 4511 mandays

ICM, Ranchi: 708 participants, 5694 mandays

Out Company Training: 708 participants, 5694 mandays

Foreign Training: 3 participants, 43 mandays

The grand total of participants and mandays for these training programs is 21430 and 153940, respectively.

Additional Achievements

In addition to training programs, WCL's HRD department has achieved several other milestones:

- 2015 executives and 9532 non-executives of WCL have been registered on the iGOT Karmayogi portal.

- The total number of courses completed by executives and non-executives of WCL through the iGOT Karmayogi portal is 47,258.

- Four executives of WCL were among the top 20 performers across the coal sector and were felicitated and awarded by the Hon Minister of Coal, GOI.

- WCL has entered into an MOU with IIM, Nagpur and IMT, Nagpur for providing residential management development programs for WCL executives.

The HRD department of WCL has demonstrated its commitment to enhancing the skills and knowledge of its employees. Through various training programs and initiatives, WCL aims to create a workforce that is equipped to meet the challenges of the coal industry. The achievements of HRD in WCL are a testament to the organization's dedication to excellence.



दुनियाँ में हिन्दी का लहरायेंगे परचम

जय हिन्द हे भारत माता
हिन्दी हमारी जन्म दाता
चाहे नेता हो अभिनेता
हिन्दी से ही लुभाते श्रोता।

हमारी जननी हमारा प्रान
हिन्दी से है भारत महान
संसद में हिन्दी का गान
सब गायें जन-गण-मन का गान।

हिन्दी से हमारी राष्ट्रियता
फिर अंग्रेजी के पीछे क्यों ?
हिन्दी से हमारी आत्मीयता
फिर हिन्दी से धोका क्यों ?

हिन्दी में हर काम करें हम
राष्ट्रीयता की पहचान बने हम
विजय घोष करेंगे मिलकर हम
दुनिया में हिन्दी का लहराए परचम

भाषा वाद के झगड़ों में ये कैसा नजारा है
प्रांत वाद के झगड़ों में ये राष्ट्र बेसहारा है
भाषा चाहे अनेक हों बस एक हमारा नारा है
हिन्दी हैं हम, वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा है।



श्री अखिल कुमार द्रविड
कायलिय अधिक्षक (राजभाषा)
महाप्रबंधक कायलिय, माजरी क्षेत्र

रेस्क्यू ट्रेन पर्सन

एक रात में सो रहा था, अपने सपने में खो रहा था
वो पास मेरे आई ही थी, थोड़ी मुस्काई ही थी

मेरा मन मचल रहा था, मन ही मन सोच रहा था
काश ये मेरी पत्नी बन जाए, तो ग़ज़ब हो जाए

इसे मोटरसाइकिल में बिठा के घूमाऊंगा
खदान के कैंटीन की जलेबी खिलाऊंगा
और ख़ूब मौज उड़ाऊंगा

तभी मैंने देखा
उसने मुँह मोड़ रखा था, शर्म का दामन ओढ़ रखा था
मैंने उसका हाथ थाम लिया, खीच के उसने तमाचा मार लिया

तभी मेरी नींद खुली, मेरी पत्नी बोली
कब से उठा रही हूँ, ज़ोर ज़ोर से आवाज लगा रही हूँ
किसके सपने में खोये हुए थे, इतनी गहरी नींद सोये हुए थे

जल्दी उठो रेस्क्यू स्टेशन से फ़ोन आया है
खदान में दुर्घटना घटी है, वहाँ तुम्हें बुलाया है
खदान में बारिश का पानी भर आया है
वहाँ सब कुछ डूब ना जाए, सबका मन घबराया है

किसी का बेटा, किसी का भाई
किसी का बाप तो किसी का सुहाग
सबकी जान जोखिम में आई

तुम रेस्क्यू ट्रेन पर्सन हो, तुम्हारी टीम इंतज़ार कर रही है
जल्दी जाओ किसी की पत्नी, अपने सुहाग का इंतज़ार कर रही है

अपनी जान जोखिम में डाल, सबकी जान बचाता है
ये रेस्क्यू ट्रेन पर्सन है, कर्तव्य के लिए सब कुछ कर जाता है

रणीगंज वाली घटना याद है ना,
वहाँ कैसे सरदार जी ने सबकी जान बचाई थी
अब तुम्हारी बारी है,
तुम्हें भी सबकी जान बचाना है
खदान को दुर्घटना मुक्त बनाना है।

जय कोल इंडिया।
जय हिन्द, जय भारत।



खुशहाल सिंह बेलवंशी
क्लर्क जीआर-2
एजीएम कायलिय, पाथाखेड़ा क्षेत्र

जीवन का सार

खुद को जानो और पहचानो, करो स्पर्धा खुद से ही
बीते कल से आज बेहतर हैं, यही है शतशः सही।

अंलकार, आभूषण वस्त्र भले देते हो सुंदरता
सत्य निष्ठा जिम्मेदारी यहीं रहे वास्तविकता।

वाणी पर रखें हम संयम करे न किसी को दुखी
अपने अन्तरमन से बात करें, उस में मिलती खुशी।

हम उम्र के उस दौर में चाहे मन की शान्ति
आने वाली पीढ़ी को अब पकड़नी तेज गति।

नहीं दे आहत किसी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष
इतनी बात में कहना चाहूँ, रखना चाहूँ समझ।



श्रीमती मनिषा महेश्वरी
कार्यालय अधीक्षक
वित्त विभाग, वेकोलि



हम हैं कोलवीर

हम है कोलवीर, हम हैं कोलवीर
हमें नाज है, हमें फक्र है हम है कोलवीर
हम ना डरते बारिश से, ना तपती धूप से
मौसमों से खेलना हमें हैं आता
धूप है कोलवीर, हम है कोलवीर

धरती खोदकर कोयला निकालना काम हमारा है,
सारी दुनिया को ऊर्जा प्रदान करना काम हमारा है

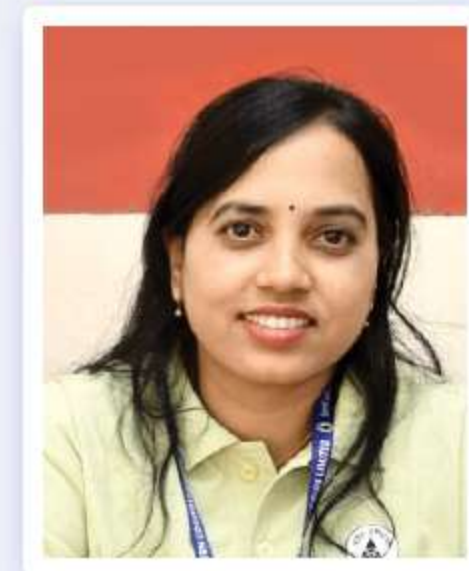
हम है कोलवीर, हम है कोलवीर
अंधेरे से रोशनी की ओर बढ़ता
हमारा हर एक कदम है।

ऊर्जा के भंडार को बनाये रखने की
ओर बढ़ता हमारा हर एक कदम है।

हम है कोलवीर, हम है कोलवीर

काटों में से फुलों को चुनना हमें आता है
जमीन में से कोयला निकालना हमें आता है।

हम है कोलवीर, हम है कोलवीर



श्रीमती माधुरी हिंगे
लिपिक,
जन सूचना कार्यालय (RTI), वेकोलि



बेटियां

हसति खेलती खुशहाली लाती है बेटियां, हसति खेलती खुशहाली लाती है बेटियां,
पर किसी के लिए लक्ष्मी तो किसी के लिए बोझ बन जाती है बेटियां।
कौन कहता है पराई होती है बेटियां कौन कहता है पराई होती है बेटियां
परिवार के सिर का ताज होती है बेटियां।

आखिर क्यों करते है भेदभाव बेटा और बेटी से? आखिर क्यों करते है भेदभाव बेटा और बेटी से ?
जबकि यह तोफा मिला है सृष्टि के नियम से।
जीवन के हर संघर्ष में साथ निभाती है बेटियां। हसति खेलती खुशहाली लाती है बेटियां।

राजनीति में, स्मृति ईरानी की बात है निराली, राजनीति में, स्मृति ईरानी की बात है निराली
और इंदिरा गांधी थी सबसे बलशाली।
प्रतिभा ताई पाटिल ने रचाया इतिहास और सुषमा जी ने खड़ा किया अपने बल पर स्वराज।
कल्पना चावला की बात करे या बात करे साइना नेहवाल की,
एक आयी है घूम अंतरिक्ष तो दूजी लायी है ओलंपिक मैडल जीत।
कोल इंडिया में आयी है जो, तीन महिला इंजीनियर, हर प्रथा हर परंपरा को पीछे छोड़कर,
एक नई सोच का दिया जलाकर, जन्मी है वो, शिवानी और आकांक्षा का नाम लेकर।

आज के युग में, बेटियाँ हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिला कर चलती है,
आज के युग में, बेटियाँ हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिला कर चलती है,
पर फिर क्यों ये समाज उसके हौसले को चखना-चूर कर देता है।
क्यों उसके चरित्र पर हमेशा सवाल उठा करते है?
क्या बेटी होना गुन्हा है मेरा ? क्या बेटी होना गुन्हा है मेरा?
हर बेटी पल-पल यही सवाल करती है।

चलिए हम उन्हें बताये और सभी को ज्ञात कराये

"हमारी बेटी हमारा अभिमान"

"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ "

यह नारे हर घर तक पहुँचाए और सबको यह बतलाये।

हसति खेलती खुशहाली लाती है बेटियां, माँ-बाप का नाम रोशन कर जाती है बेटियां

एक दिन बिदा होकर आखों में आसूँ दे जाती है बेटियां

और जीवन के हर संघर्ष में साथ निभाती है बेटियां।

जीवन के हर संघर्ष में साथ निभाती है बेटियां।



अंकिता मनोज घोष
(विक्रय लेखा विभाग)



दया है आपकी!

आज महीने की एक तारीख है, सुमन जो मेरे यहाँ काम करती है कहा, “साहेब जी सैलरी”। मैंने कल देने के लिये कहते हुए ऑफिस निकल गया। सुमन लाचारी वश कुछ न बोल पायी वैसे वह जानती थी, साहेब की सैलरी एक तारीख को होती है, उसके वावजूद भी उसने आज माँगा था। मैं रास्ते में सोचता हुआ जा रहा था, मैं कितना प्रोफेशनल हो गया हूँ? संवेदना कहाँ चली गयी?

दूसरे दिन रविवार था। मैं घर में ही था। मैं घर पर आराम से पेपर पढ़ रहा था, सुमन आयी और घर के सारे काम करने लगी। सारे काम करने के पश्चात मुझसे कहा, “साहेब सैलरी”। मैंने कहा कितनी सैलरी हुई, उसने कहा, “दो महीने 5 दिन का चार हजार रुपये महीने से, साहेब जी आप खुद ही हिसाब कर दीजिये”। मैंने डायरी निकाली और कहा तुम्हें तो तीन हजार रुपये महीने देने की बात हुयी थी, देखो देखो ये मैंने लिखकर रखा है। सुमन चुपचाप थी। मैंने आगे कहा, देखो लिखा हुआ है भाई, तीन हजार रुपये महीने के हिसाब से “दो महीने ही हुए हैं”।

सुमन अभी भी चुपचाप थी, अब मैंने कहा दो महीने का 3000 के हिसाब से 6000 रुपये हुए। रविवार पकड़ 12 दिन गैरहाज़िर थे, उसके 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 1200 रुपये कम हो गए, अब बचे 4800 रुपये, ठीक है न? वह सर हिलाते हुए कहा जी, मुझे याद है चार दिन दांत दर्द की वजह से बीच में ही चली गयी थी, आधे दिन के पचास रुपये के हिसाब से 200 रुपये और कम हो गए अब बचे 4600 रुपये ठीक है न? एक कप-बसी तोड़ा था, तीन सौ रुपये की थी, खैर दो सौ रुपये उसके कम हो गए अब बचे 4400 रुपये ठीक है न? तीन सौ रुपये पत्नी से उधार लिए थे, उसे कम करने के बाद अब बचे 4100 रुपये ठीक है न? वह चुपचाप नम आँखों से मेरे गणितीय ज्ञान को निहार रही थी।

मैंने पर्स से पैसे निकाले और उसे 500 के आठ नोट और 100 का एक नोट गिनकर पूरे- पूरे 4100 रुपये दे दिए जो उसने चुपचाप रख लिए और कहा - “दया है आपकी”। इस प्रकार 4100 रुपये लेते हुए अपने घर के लिए निकल गयी। “दया है आपकी” शब्द मेरे कान में बार बार गूँजने लगा, मैं तुरंत बाहर निकला देखा, अभी वह थोड़ी दूर ही गयी थी। मैंने आवाज लगाई और वापस बुलाया, उससे पूँछा “मैंने तुमको 6000 रुपये की जगह 4100 रुपये ही दिये, वह भी तुम्हारे काम का मेहनताना, फिर भी तुमने कहा- “दया है आपकी” तुमने ऐसा क्यों कहा, मैं नहीं समझ पाया!

सुमन ने मायुष होकर मेरे और देखा और कहा, “साहेब जी इसके पहले वाले घर मालिक ने तो बहुत सारी प्लेट तोड़ हिसाब करते वक़्त सभी के पैसे काट लिए थे, आपने तो केवल एक कप-बसी ही तोड़ी, इसलिये “दया है आपकी....”।



(स्व रचित मार्मिक काल्पनिक लघु कथा)



राजेश कुमार सिंह चौहान

तकनीकी निरीक्षक
मुख्य प्रबंधक (माइनिंग)
भू-राजस्व विभाग वे. को. लि मुख्यालय



Chamarthi Ojaswini
Deputy Manager (Environment)

A TROPICAL PARADISE JOURNEY: A WEEK ALONG THE COAST OF UTTARA KANNADA AND GOA

Everyone needs a break to reconnect with themselves, and for me, travel and breath-taking sunsets provide that escape. Over the last two years, I've embraced slow travel, cherishing moments with nature and loved ones. In the winter of 2025, my family and I explored the coastal towns of Uttara Kannada and Goa, discovering serene beaches, temples, and the historic, UNESCO-listed churches of Old Goa.

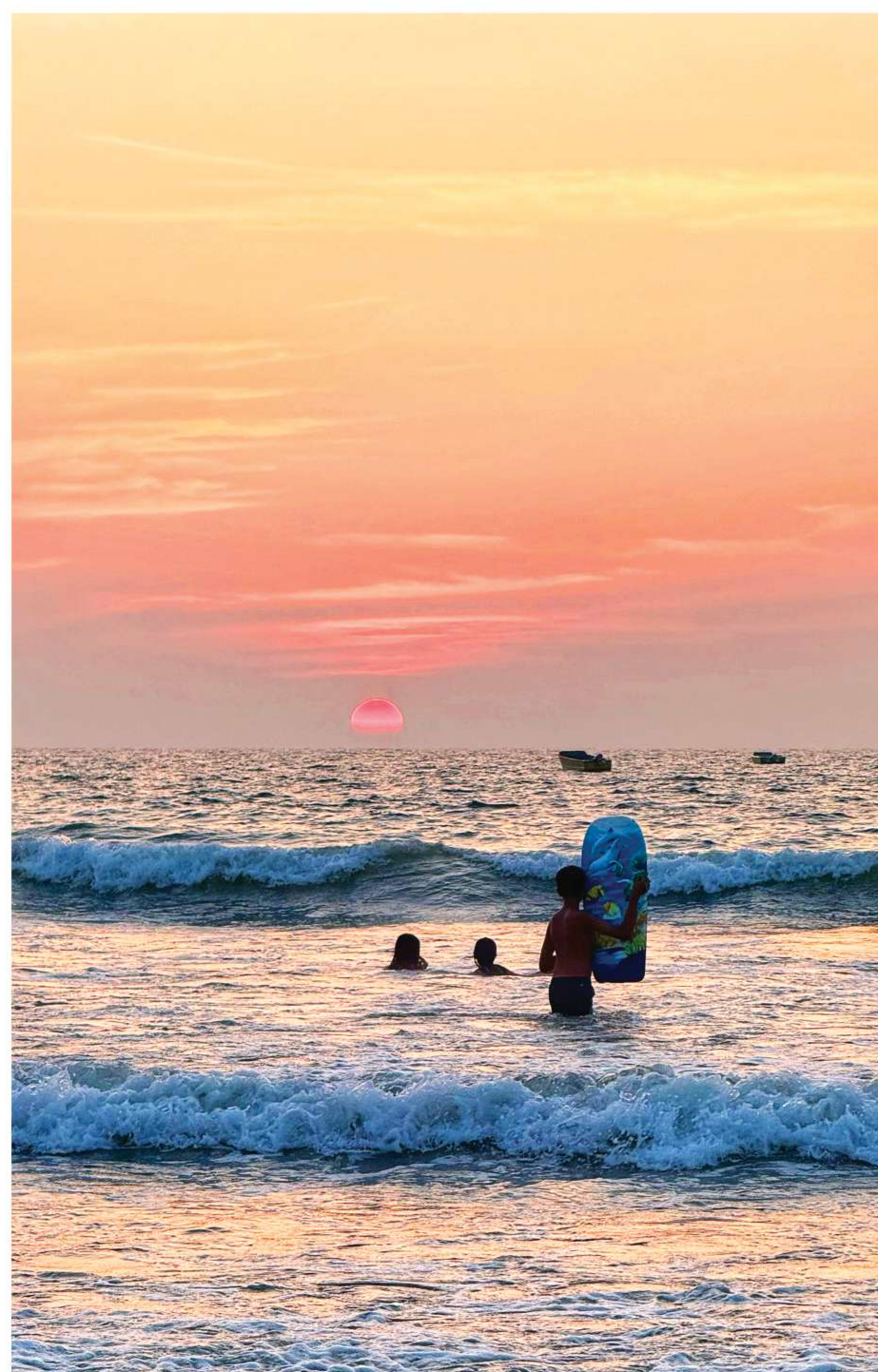
Here's how my heart unfolded during seven incredible days:

Day 1: Arrival in South Goa- Given our preference for serene, stress-free beaches, South Goa was the clear pick. After a night flight from Nagpur, we arrived and checked into Argo by Trance, a peaceful retreat just 4 km from the airport. To avoid costly taxis during the Christmas and New year season, we opted the Goa Miles app, which offered a great deal. The hotel room, spacious with a touch of vintage charm that made it feel warm and nostalgic.

We settled in and enjoyed a much-needed nap, ready to explore the next day.

Day 2: Beaches, Strolls, and Local Culture- The day began with a stroll around the neighbourhood and a tasty breakfast. Then, we rented a self-driving car and decided on our itinerary for the day, getting recommendations from a local and using Google Maps to navigate along the coastal road. Our first stop, the Three Kings Chapel, was closed, but we enjoyed a local musician's performance in the courtyard. Next, we made our way to Cavelossim Beach.

The Dabolim-Cavelossim Road is stunning, lined with charming villages and a refreshing breeze from the palm trees. Along the way, we stopped at a store in Arossim Village to grab snacks, where the friendly shopkeeper suggested we visit Arossim Beach, just a short walk away.



We parked our car there and walked towards the beach, which is located 6kms from the Church and has private access from ITC Grand Goa. The weather was pleasantly sunny and the beach was less crowded. We laid back on the sand, enjoying the calm, with Palm trees in the backdrop and endless waves in front. Later, we joined a group of teenagers playing cricket, bringing a lively and fun twist to our afternoon. For lunch, we stopped at Café De Voyage on Navelim Road, indulging in pasta and croissants. Afterward, we visited Cavelossim Beach, where we were mesmerized by the sky painted in beautiful orange hues at sunset, with a bright star shining above and the beach waves gently caressing our feet.

Dinner at Fisherman's Wharf by the Sal River, along with a bit of shopping at the market, wrapped up our perfect day.

Day 3: Old Goa Churches, French Colony, and Casino Fun- We set out to explore Old Goa's churches, the French Colony, and enjoy a thrilling casino experience. After a lovely breakfast, we drove along Chicalim road, passing lush greenery and quaint houses on Sao Jacinto Island. A 30-minute drive took us to Panjim, where we checked out the casino's entry fees and planned to return later in the evening.

Our first stop was the Basilica of Bom Jesus, a UNESCO Heritage site that holds the tomb of St. Francis Xavier. The church was bustling with pilgrims, yet we found a moment of peace inside. Afterward, we enjoyed a delicious lunch at Kokum, then strolled through the vibrant lanes of the French Colony, admiring the rainbow-colored buildings. While the place had its charm, it was a bit crowded with tourists. If you're looking for a quieter, more relaxed atmosphere, Pondicherry's well curated French Colony might be a better choice.

We then caught the sunset at Miramar Beach before heading to the casino, where we enjoyed games, performances, and delicious food. Pro tip: Skip the pricey entry tickets and opt for flush tickets for full access. After the casino fun, we headed back to the hotel for a peaceful nap.

Day 4: Train Journey to Honnavar- We bid farewell to our cozy Goa stay and boarded a scenic train to Honnavar from Madgaon. The journey brought back childhood memories of visits to my grandmother's place. By late afternoon, we arrived at our lakeside resort in Honnavar, where we spent the evening watching the sunset and celebrating the New Year.

Day 5: Exploring Honnavar's Natural Beauty

It's New Year's Day! We woke up early to explore Honnavar, a hidden paradise with a laid-back charm without any high-end facilities. Our resort, on the outskirts of town, was perfect for a quiet escape. We hired the same auto that had brought us from the station the day before and set off on a one-hour boat journey through the beautiful mangroves of Honnavar. For a peaceful, immersive experience, I recommend choosing a noiseless boat and taking an early ride, which takes you past small villages on the Sharavati River.

In the evening, we visited Kasarakod Beach, a serene stretch of sand with clear blue waters. The beach is part of the Blue Flag Certification program, ensuring its cleanliness and sustainability. Afterward, we visited the Honnavar Hanging Bridge, located just 8 km from the beach. We took a leisurely stroll around the nearby village, watched the sunset, and cherished the quiet moments together.



Day 6: Murudeshwar and Udupi Temples



We drove from Honnavar to Murudeshwar and Udupi. We began with a visit to Murudeshwar Temple and took the lift to the top for panoramic views of the village and sea. Then, we enjoyed a delicious South Indian meal at MTR, bringing back childhood memories. In Udupi, we visited the famous Krishna Temple. Afterward, we set off for the river and sea meeting point at Maravanthe Beach to watch the sunset. But this plan took an unexpected turn when we ventured into a charming village on foot, led by a spirited little girl named Rachel. We explored the village, met her family, and enjoyed the sunset with them. This unexpected detour became one of the most memorable parts of our journey.

Day 7 was all about relaxation.

We enjoyed delicious food, read novel by the lake, and rested. In the evening, we visited a hilltop temple and a secluded beach - Saraswati, just 8 km from Honnavar.

The next day, we boarded a train back, cherishing this unforgettable journey—one that will forever hold a special place in my heart. Until the next adventure!



BOOK REVIEW



Giri Bahadur Thapa
Manager (HR)



ARE YOU READY TO DO SO

Written by Mr T H Mohan Rao – one of the first things that captivated me was the phrase *Are You Ready to Do So*—a simple yet powerful question. The book consists of articles cantered around human ethics and values, offering deep reflections on life.

The author, Mr. TH Mohan Rao, is a passionate and enthusiastic individual, known for his love of cycling. I remember him as a cheerful personality who always encouraged others. A former employee of Coal India, he dedicated more than 37 years of service to the company and contributed immensely to both the organization and the nation.

Recently, I read this book whose title alone was enough to fill my mind and body with enthusiasm— *Are You Ready to Do So*. The uniqueness of the title made me believe that the book would be truly inspiring and energizing. The cover page was beautifully designed, and as I began reading, I found myself increasingly drawn into the book, eager to explore more pages.

KEY THEMES AND INSIGHTS

Life Without Life

This article critiques the emptiness and purposelessness that often characterize modern life. Rao describes individuals as "living cadavers," trapped in routines devoid of clarity, transparency, and honesty. He attributes mental health struggles like depression and insomnia to this lack of purpose. However, the article is not merely a critique; it offers practical solutions to reclaim vitality. Rao introduces concepts like ETP (Enjoy the Process) and RTB (Raise the Bar), encouraging readers to find joy in daily tasks and push beyond self-imposed limits. The principle of WTT & TTW (Walk the Talk & Talk the Walk) emphasizes integrity and alignment between words and actions. Overall, this article serves as a motivational guide, urging readers to embrace clarity and purpose.

Wellness in Illness

This piece explores human resilience and the power of perspective. Rao contrasts the "minuscule minority" who thrive in adversity with the "vast majority" who succumb to life's pressures. Using metaphors like "eagle-focused" leaders versus the "chicken-hearted" crowd, he motivates readers to adopt courage and self-awareness. While the article's motivational tone is inspiring, its dichotomous classification oversimplifies human struggles, neglecting socio-economic and psychological factors. A more nuanced approach would have deepened its impact.

Crime and Corruption

Rao provides a comprehensive analysis of crime and corruption, defining them as violations of law and morality. He highlights how corruption erodes societal structures and proposes a two-fold solution: preventing dishonest individuals from entering organizations and systematically removing corrupt individuals. Drawing on Dr. A.P.J. Abdul Kalam's views, Rao advocates for value-based ethics and accountability. This article is a compelling call to action for fostering a corruption-free society.

BOOK REVIEW

KEY THEMES AND INSIGHTS

Policy Never Above Humanity

This article critiques the gap between policy formulation and implementation, emphasizing the need for human-centric policies. Rao argues that bureaucratic inefficiencies often hinder the effectiveness of well-intentioned policies. He advocates for public participation in policy-making and regular reviews to ensure inclusivity and adaptability. The article is a timely reminder of the importance of humanity and accountability in governance.

Managers vs Damagers

Rao presents a sharp critique of public sector management, contrasting effective leaders (Managers) with those who harm organizational structures (Damagers). He highlights issues like bureaucratic red tape, weak decision-making, and lack of accountability. Using the metaphor of an organization's technical competence as the "core of the earth," Rao stresses the need for visionary leadership and ethical governance. This article is a thought-provoking call for transformation in leadership.

Who Knows Better Than You?

This introspective article encourages readers to reflect on their habits, thoughts, and values. Rao argues that mental and emotional nourishment is as crucial as physical sustenance. He critiques modern lifestyles dominated by negativity and superficial distractions, urging readers to prioritize meaningful content. The recurring question, "Who knows you better than you?" serves as a powerful call for self-awareness and personal accountability.

Barriers Vs Bridges

Rao explores the choice individuals face in their societal roles—whether to act as barriers hindering progress or as bridges facilitating it. He shares the inspiring story of Shri K.P. Jaisal, a fisherman who became a "human bridge" during the Kerala floods. Drawing on the teachings of Swami Vivekananda, Rao emphasizes the importance of education, self-discipline, and humanistic values. This article is a compelling call to prioritize actions that benefit the broader community.

Ethical Leadership

Rao examines the lives of iconic leaders like Abraham Lincoln, Mahatma Gandhi, and Dr. APJ Abdul Kalam, highlighting their commitment to compassion, selflessness, and ethical values. He critiques modern leaders who lack these qualities and emphasizes that true leadership is earned through ethical conduct. Dr. Kalam's nine essential qualities of an ethical leader serve as a roadmap for aspiring leaders. This article is a timely reminder of the need for ethical leadership in a divided world.

Mind Pollution Vs Body Pollution

Rao argues that a polluted mind leads to harmful behaviors, while a clean mind fosters positivity. He identifies mind pollution as the root cause of global issues and advocates for the cultivation of ethics and values from an early age. While body pollution is manageable, mind pollution is preventable and more destructive. This article is a compelling call to action for mental and moral well-being.

BOOK REVIEW

KEY THEMES AND INSIGHTS

Intelligence Vs Wisdom

Rao distinguishes between intelligence, defined as logical thinking, and wisdom, which involves ethical decision-making rooted in experience. He critiques society's overemphasis on IQ and introduces the concept of "Acceptability Quotient" (AQ), emphasizing empathy and understanding. Drawing on insights from figures like Swami Vivekananda and Albert Einstein, Rao calls for a shift from intellectual prowess to a more holistic, service-oriented approach.

Perils of the 'Well-Being'

This article critically examines the dual role of technology in shaping human well-being. Rao warns against over-reliance on technology, which can lead to lifestyle diseases, cyber fraud, and social isolation. He emphasizes that well-being is an intrinsic state, driven by good nutrition, exercise, and a positive mindset. The article is a timely reminder to use technology judiciously.

Consumer Power At Its Best

Rao recounts his assertive action after a disappointing dining experience, illustrating the importance of standing up for consumer rights. In contrast, "Sheroes Of Agra" celebrates the resilience of acid attack survivors running a café in Agra. Both narratives emphasize empowerment and the impact of individual and collective action.

Overall Review

Are You Ready to Do So is a rich tapestry of wisdom, blending philosophical reflections with practical advice. Rao's passion for ethical living and his commitment to human values shine through in every article. The book's strength lies in its motivational tone and actionable insights, making it a valuable read for anyone seeking purpose and inspiration.

However, some articles could benefit from a more nuanced approach. For instance, *Wellness in Illness* might have explored socio-economic and psychological factors in greater depth. Additionally, the repeated use of rhetorical questions, while effective, could be balanced with more varied literary techniques.

Conclusion

Are You Ready to Do So is a must-read for anyone seeking clarity, inspiration, and a deeper understanding of life's fundamental values. Mr. T.H. Mohan Rao's passion for life and his commitment to ethical living make this book a valuable addition to any reader's collection. It challenges readers to reflect, grow, and take actionable steps toward a more meaningful and ethical life.

THE EVOLUTION OF TECHNOLOGY FAILS TO TOUCH EMOTIONS



Gaurav Patel
Manager (HR)

From the Bronze Age to the modern era, one thing has always been common and that is emotions. Emotions are a stable thing that separates living and non-living things. The technology developed after the discovery of steel or iron at the end of 5000-3000 BC. Since that time, technology has evolved and grown with the rate of human development. Does the development of the world or the development of technology really help living beings on earth?

As technology advances, so does the world. Sometimes, even humans thought that the rise of technology posed a threat to humanity, but whenever such ideas came to mind, the benefits of technology did not allow such ideas to develop fully. In today's modern era, with the advent of technology, one can see a steady decline in the level of emotions and feelings in humanity. The history of human civilization keeps trying to teach us a lot and even today it is trying to figure out how to move forward with or against emotions in this modern era. Today, all the comforts and facilities have come to the people. New resources have come to make good use of time, but in today's fast-paced world, man has no time for anyone else.

As we know that on the one hand technology has created distance between humans, on the other hand it connects distant people and maintains a connection between them. The technology creates a virtual group for people; where humans can connect with people they don't know or can never meet again. Moreover, technology enables new forms of emotional expression. Digital art, online

journaling, and creative content creation provide outlets for individuals to express their feelings in unique ways. Emotions are very sensitive and touchable things in our life, we can express them.

Recently we have heard the term EI in AI. Emotional intelligence in AI means the ability of an AI system to recognize and respond to human emotions. Can we say that emotional intelligence understands like human beings or it guides human beings to move according to their past emotional data? So, EI is driven by psychology data and past experiences of human beings and then it provides guidance or options to human beings to proceed according to the likes and dislikes. But actually EI or AI restricts the thinking of human beings and inhibits the creativity in the mind.

The evolution of technology presents a double-edged sword when it comes to emotions. While it can create barriers to a real relationship, it also provides powerful tools for emotional expression and support. The key lies in conscious and balanced use. We must strive to promote digital literacy, empathy and critical thinking in our online interactions. And we must remember that technology is a tool, and it's up to us how we use it. As we move forward, it is essential to prioritize human connection and emotional well-being in an increasingly digital world. The future of our emotional health may depend on it.

5 Tips For a Healthy Life

Eat a Balanced Diet: Fill your plate with a variety of fruits, vegetables, whole grains, lean proteins, and healthy fats. Aim for colorful meals that provide essential nutrients to fuel your body.

Hydrate: Drink plenty of water throughout the day to stay hydrated and support your body's functions. Limit sugary drinks and opt for water as your primary beverage choice.

Stay Active: Incorporate regular physical activity into your daily routine. Whether it's going for a walk, jogging, swimming, or practicing yoga, find activities you enjoy and make them a priority.

Prioritize Sleep: Aim for 7-9 hours of quality sleep each night. Establish a relaxing bedtime routine, create a comfortable sleep environment, and prioritize rest to support overall health and well-being.

Practice Self-Care: Take time for yourself to relax, de-stress, and recharge. Whether it's practicing mindfulness, indulging in hobbies, or spending time with loved ones, prioritize activities that promote mental and emotional well-being.



SNIPPETS BY
OHS Wing
Medical department, WCL



Paridhi Varma
Assistant Manager (HR)

NEW INCOME TAX BILL 2025: A SIMPLIFIED REGIME FOR A NEW ERA

The Union Budget 2025 has ushered in transformative changes to India's income tax landscape, with the introduction of the New Income Tax Bill 2025. This bill is designed to simplify the tax regime, reduce compliance burdens, and offer substantial relief to taxpayers. Let us dive into the historical regime of Indian Income Tax:

What is the Status of the Income-tax Act, 1961?

- The 1961 Act has undergone various amendments over the years, leading to a complex structure. The Act currently spans 823 pages.
- Ambiguities in language and multiple cross-references have resulted in tax disputes and lingering litigation.
- The concept of "previous year" and "assessment year" has added to the confusion, requiring taxpayers to track two different periods.

What are the new provisions in the Income-tax Bill, 2025?

- **Simplified Structure:** The Bill is 622 pages long, 24% shorter than the 1961 Act due to removal of redundant provisions, including 1,200 provisos and 900 explanations.
- **Introduction of "Tax Year":** The Bill creates a single "tax year," which is a 12-month period from April 1 to March 31, in place of the terms "previous year" and "assessment year." The tax year for newly established companies or occupations starts on the day of establishment and concludes with the fiscal year.
- **Simplified Deductions and Exemptions:** There are designated deductions for house loans, provident fund payments, life and health insurance premiums, and rent. Section 54E (capital gains exemptions for assets transferred prior to April 1992) and other outdated exemptions have been eliminated.
- **Inclusion of Virtual Digital Assets:** Cryptocurrencies and other virtual digital assets are now classified as property and treated as capital assets.

What is the impact of the New Bill?

- **Enhanced Taxpayer Trust:** By promoting a culture of compliance, the "trust first, scrutinize later" strategy will increase taxpayers' confidence in the government.
- **Better Tax Administration:** Revenue collection and tax administration will be improved by increased transparency and decreased litigation.
- **Economic Growth:** By promoting an open and effective tax environment, a modernized tax structure will aid India's shift to a \$5 trillion economy.
- **Ease of Doing Business:** India will rank higher in the Ease of Doing Business Index, drawing in more local and foreign investment, thanks to its streamlined tax system and lighter regulatory burden. Clearer provisions and less litigation will assist businesses, particularly MSMEs, allowing them to concentrate on expansion.
- **Support for the Digital Economy:** Investors and dealers in the expanding digital asset market would benefit from clarity brought about by the tax framework's inclusion of virtual digital assets like cryptocurrency.

क्विज़

QUIZ

प्रिय पाठकों,
"प्रगति" पत्रिका के इस अंक में हम आपके लिए लाए हैं एक जानकारीपूर्ण क्विज़, जो भारतीय कोयला उद्योग से संबंधित है। नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर देकर आप जीत सकते हैं आकर्षक उपहार और अगले अंक में अपना नाम प्रकाशित करवा सकते हैं।

नियम:

- सभी 10 प्रश्नों के उत्तर हमें पत्रिका के आधिकारिक ईमेल पते पर भेजें।
 - सही उत्तर भेजने वाले पहले 5 पाठकों के नाम अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।
 - विजेताओं को आकर्षक उपहार भी प्रदान किए जाएंगे।
- प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक सही उत्तर है। सही उत्तर चुनकर दिए गए ईमेल पते पर भेजें।

1. भारत में कोयला खनन की शुरुआत किस वर्ष हुई थी?

- (A) 1774 (B) 1853 (C) 1912 (D) 1956

2. भारत का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य कौन सा है?

- (A) झारखंड (B) ओडिशा (C) छत्तीसगढ़ (D) पश्चिम बंगाल

3. "कोल इंडिया लिमिटेड" की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

- (A) 1965 (B) 1975 (C) 1980 (D) 1991

4. कोयले के कितने मुख्य प्रकार होते हैं?

- (A) 2 (B) 3 (C) 4 (D) 5

5. भारत में सबसे अधिक कोकिंग कोल (Coking Coal) कहाँ पाया जाता है?

- (A) झारखंड (B) मध्य प्रदेश (C) छत्तीसगढ़ (D) महाराष्ट्र

6. Western Coalfields Limited (WCL) का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

- (A) कोलकाता (B) नागपुर (C) रांची (D) भोपाल

7. Western Coalfields Limited (WCL) का विस्तार कितने राज्यों में है?

- (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4

8. निम्नलिखित में से कौन सा कोयले की उच्चतम गुणवत्ता का प्रकार है?

- (A) लिग्नाइट (B) बिटुमिनस (C) एंथ्रासाइट (D) पीट

9. भारत सरकार ने कोयला खनन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कौन सा महत्वपूर्ण कदम उठाया है?

- (A) वाणिज्यिक कोयला खनन की अनुमति (B) कोयला आयात पर प्रतिबंध
(C) केवल सरकारी कंपनियों को खनन की अनुमति (D) सभी खदानों का निजीकरण

10. कोयला खनन के दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन सी तकनीक अपनाई जाती है?

- (A) ओपनकास्ट खनन (B) भूमिगत गैसीकरण
(C) जल पुनर्चक्रण (D) इन सभी का उपयोग किया जाता है



कृपया अपने उत्तर निम्नलिखित ईमेल आईडी पर भेजें:

milind.chahande@coalindia.in

उत्तर ईमेल करते समय अपना नाम, पद, कार्यस्थल का पता और मोबाइल नंबर अवश्य लिखें।
हमें आपके उत्तरों का इंतजार रहेगा!

धन्यवाद,





वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी
कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी

प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

जनसंपर्क विभाग, वेकोलि द्वारा प्रकाशित